॥ ॐ श्रीपरमात्मने नमः ॥

परमश्रद्धेय स्वामीजी श्रीरामसुखदासजी महाराजका शीघ्र कल्याणकारी साहित्य

गीताप्रेस, गोरखपुरसे प्रकाशित

१. गीता साधक-संजीवनी [अँग्रेजी, मराठी, तमिल, कन्नड़, गुजराती, बँगला, ओड़ियामें भी]
२. गीता-प्रबोधनी [बँगला, ओड़िया, पंजाबीमें भी]
३. गीता-दर्पण [मराठी, बँगला, गुजराती, ओड़ियामें भी]
४. गीता-ज्ञान-प्रवेशिका
५. गीता-माधुर्य [अँग्रेजी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु, बँगला, गुजराती, मराठी, असमिया, ओड़िया, उर्दू, संस्कृतमें भी]
६. साधन-सुधा-सिन्धु [ओड़िया, गुजरातीमें भी]
७. जीवनका कर्तव्य [गुजरातीमें भी]
८. भगवत्तत्त्व [गुजरातीमें भी]
९. एकै साधै सब सधै [गुजराती, तमिल, तेलुगुमें भी]
१०. जीवनोपयोगी कल्याण-मार्ग [गुजरातीमें भी]
११. सर्वोच्च पदकी प्राप्तिका साधन [अँग्रेजी, गुजराती, तमिल, तेलुगुमें भी]
१२. जीवनका सत्य [अँग्रेजी, गुजरातीमें भी]
१३. कल्याणकारी प्रवचन [अँग्रेजी, गुजराती, बँगला, ओड़ियामें भी]
१४. कल्याणकारी प्रवचन, भाग २
१५. तात्त्विक प्रवचन [मराठी, गुजराती, बँगला, ओड़ियामें भी]
१६. भगवान्‌से अपनापन [गुजराती, ओड़ियामें भी]
१७. शरणागति [तमिल, तेलुगु, कन्नड़, ओड़ियामें भी]
१८. भगवन्नाम [अँग्रेजी, मराठीमें भी]
१९. जीवनोपयोगी प्रवचन [अँग्रजीमें भी]
२०. सुन्दर समाजका निर्माण
२१. मानसमें नाम-वन्दना
२२. सत्संगकी विलक्षणता [गुजरातीमें भी]
२३. साधकोंके प्रति [बँगला, मराठीमें भी]
२४. भगवत्प्राप्ति सहज है [अँग्रजीमें भी]
२५. अच्छे बनो [अँग्रेजीमें भी]
२६. भगवत्प्राप्तिकी सुगमता [कन्नड़, मराठीमें भी]
२७. वास्तविक सुख [तमिल, ओड़ियामें भी]
२८. स्वाधीन कैसे बनें? [अँग्रेजीमें भी]
२९. कर्म-रहस्य [बँगला, तमिल, कन्नड़, ओड़ियामें भी]
३०. गृहस्थमें कैसे रहें? [अँग्रेजी, बँगला, मराठी, गुजराती, ओड़िया, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, पंजाबी, असमिया भी]
३१. सत्संगका प्रसाद [गुजरातीमें भी]
३२. महापापसे बचो [बँगला, गुजराती, तमिल, तेलुगु, कन्नड़में भी]
३३. सच्चा गुरु कौन? [ओड़ियामें भी]
३४. आवश्यक शिक्षा [सन्तानका कर्तव्य एवं आहार-शुद्धि] [अँग्रेजी, मराठी, गुजराती, ओड़ियामें भी]
३५. मूर्तिपूजा एवं नाम-जपकी महिमा [मराठी, गुजराती, ओड़िया, बँगला, तमिल, तेलुगुमें भी]
३६. दुर्गतिसे बचो [मराठी, गुजराती, बँगलामें भी]
३७. सच्चा आश्रय
३८. सहज साधना [अँग्रेजी, मराठी, गुजराती, बँगला, ओड़ियामें भी]
३९. नित्ययोगकी प्राप्ति [ओड़ियामें भी]
४०. हम ईश्वरको क्यों मानें? [बँगलामें भी]
४१. नित्य-स्तुति और प्रार्थना [कन्नड़, तेलुगुमें भी]
४२. वासुदेवः सर्वम् [अँग्रेजी, मराठीमें भी]
४३. साधन और साध्य [मराठी, गुजराती, बँगलामें भी]
४४. मातृशक्तिका घोर अपमान [तमिल, बँगला, मराठी, गुजराती, ओड़ियामें भी]

४५. कल्याण-पथ
४६. जिन खोजा तिन पाइया [बँगलामें भी]
४७. किसान और गाय [तेलुगुमें भी]
४८. तत्त्वज्ञान कैसे हो? [बँगला, गुजरातीमें भी]
४९. भगवान् और उनकी भक्ति [गुजराती, ओड़ियामें भी]
५०. जित देखूँ तित तू [गुजराती, मराठीमें भी]
५१. देशकी वर्तमान दशा और उसका परिणाम [बँगला, ओड़िया, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, कन्नड़में भी]
५२. सब जग ईश्वररूप है [गुजराती, ओड़ियामें भी]
५३. आवश्यक चेतावनी
५४. मनुष्यका कर्तव्य
५५. अमरताकी ओर [गुजरातीमें भी]
५६. सार-संग्रह एवं सत्संगके अमृत-कण [गुजरातीमें भी]
५७. अमृत-बिन्दु [अँग्रेजी, बँगला, तमिल, कन्नड़, मराठी, गुजरातीमें भी]
५८. सतसंग-मुक्ताहार [गुजराती, ओड़ियामें भी]
५९. सत्यकी खोज [अँग्रेजी, गुजरातीमें भी]
६०. क्या गुरु बिना मुक्ति नहीं? [गुजराती, ओड़ियामें भी]
६१. आदर्श कहानियाँ [बँगला, ओड़ियामें भी]
६२. प्रेरक कहानियाँ [बँगला, ओड़ियामें भी]
६३. प्रश्नोत्तरमणिमाला [गुजराती, बँगला, ओड़ियामें भी]
६४. शिखा (चोटी)-धारणकी आवश्यकता [बँगलामें भी]
६५. परमविश्रामकी प्राप्ति
६६. मेरे तो गिरधर गोपाल
६७. कल्याणके तीन सुगम मार्ग
६८. सत्यकी स्वीकृतिसे कल्याण
६९. तू-ही-तू
७०. एक नयी बात
७१. सब साधनोंका सार [बँगलामें भी]
७२. संसारका असर कैसे छूटे?
७३. मानवमात्रके कल्याणके लिये [अँग्रेजी, मराठी, गुजराती, ओड़िया, बँगला, नेपालीमें भी]
७४. परमपितासे प्रार्थना
७५. साधनके दो प्रधान सूत्र [ओड़िया, बँगलामें भी]
७६. ज्ञानके दीप जले
७७. सत्संगके फूल
७८. सागरके मोती
७९. सन्त-समागम
८०. एक सन्तकी वसीयत [बँगलामें भी]

English Books

1. Srimad Bhagavadgita 'Sadhaka-Sanjivani'
2. Gita-Madhurya
3. For Salvation of Mankind
4. The Drops of Nectar
5. Discovery of Truth and Immortality
6. All is God
7. Ease in God-Realization
8. Benedictory Discourses
9. Is Salvation not Possible without a Guru?
10. Art of Living
11. How to Lead A Household Life
12. Let Us Know The Truth
13. Sahaja Sadhana
14. Invaluable Advice
15. Be Good
16. Truthfulness of Life
17. The Divine Name
18. How to be Self-Reliant
19. How to Attain the Supreme Bliss

गीता-प्रकाशन, गोरखपुरसे प्रकाशित

१. संजीवनी-सुधा
२. बोलनेवाली भगवद्गीता
३. सीमाके भीतर असीम प्रकाश
४. सहज गीता [अँग्रजीमें भी]
५. हे नाथ! मैं आपको भूलूँ नहीं [गुजराती, अँग्रेजीमें भी]
६. बिन्दुमें सिन्धु
७. कृपामयी भगवद्गीता [अँग्रेजी, गुजरातीमें भी]
८. लक्ष्य अब दूर नहीं [गुजरातीमें भी]
९. सहज समाधि भली
१०. नये रास्ते, नयी दिशाएँ
११. अपने प्रभु को पहचानें
१२. अनुभव-वाणी [अँग्रेजी भाषान्तरसहित]
१३. एक सन्तकी अमूल्य शिक्षा
१४. गोरक्षा—हमारा परम कर्तव्य
१५. विलक्षण सन्त, विलक्षण वाणी
१६. अनन्तकी ओर
१७. स्वातिकी बूँदें
१८. सन्तवाणी (प्रथम शतक)
१९. सन्तवाणी (द्वितीय शतक)
२०. रहस्यमयी वार्ता
२१. मेरे नाथ! मेरे प्रभो!
२२. यह कलियुग है!
२३. मैं नहीं, मेरा नहीं
२४. बन गये आप अकेले सब कुछ
२५. ईस्वर अंस जीव अबिनासी

English Books

1. Sahaj Gita (Essential Gita-Simlified!)
2. Talking Musical Shrimad Bhagwadgita
3. The Benedictory Gita
4. O Lord! I Must Not Forget You!
5. Anubhav-Vaani (Nectarine Words of Experience)

प्रकाशकोंके पते—

(१)

गीताप्रेस,
गोरखपुर—273005 (उ०प्र०)
फोन—0551-2334721
e-mail:booksales@gitapress.org

(२)

गीता प्रकाशन कार्यालय,
माया बाजार, पश्चिमी फाटक,
गोरखपुर—273001 (उ०प्र०)
फोन—09389593845, 09453492241
e-mail: radhagovind10@gmail.com

websites:

gitaprakashan.com

—इस वेबसाइटपर आप परमश्रद्धेय श्रीस्वामीजी महाराजसे सम्बन्धित उपयोगी सामग्री तथा 'गीता-प्रकाशन' से प्रकाशित साहित्य पढ़ सकते हैं तथा डाउनलोड भी कर सकते हैं।

अन्य वेबसाइट—

www.swamiramsukhdasji.org

—इस वेबसाइटपर आप परमश्रद्धेय श्रीस्वामीजी महाराजके लगभग पन्द्रह वर्षोंके प्रवचन सुन सकते हैं और 'गीताप्रेस' से प्रकाशित साहित्य भी पढ़ सकते हैं।

swamiramsukhdasji.net

satcharcha.blogspot.com

॥ ॐ श्रीपरमात्मने नमः ॥

बड़ी पुस्तकोंमें सम्मिलित छोटी पुस्तकें

[गीताप्रेस, गोरखपुरसे प्रकाशित]

१. **अलौकिक प्रेम**—'मेरे तो गिरधर गोपाल' में सम्मिलित।

२. **एक नयी बात**—मानवमात्रके कल्याण०।

३. **कल्याणके तीन सुगम मार्ग**—मानवमात्रके कल्याणके लिये।

४. **गृहस्थोंके लिये**—देशकी वर्तमान दशा०।

५. **घोर पापोंसे बचो**—देशकी वर्तमान दशा०।

६. **तू-ही-तू**—मानवमात्रके कल्याणके लिये।

७. **दहेज-प्रथासे हानि**—मातृशक्तिका घोर अपमान

८. **प्रार्थना**—सब जग ईश्वररूप है।

९. **भगवत्प्राप्तिके लिये भविष्यकी अपेक्षा नहीं**—जीवनोपयोगी कल्याण-मार्ग।

१०. **मुक्तिमें सबका समान अधिकार**—तत्त्वज्ञान कैसे हो?

११. **मनकी खटपट कैसे मिटे?**—संसारका असर कैसे छूटे?

१२. **सत्यकी स्वीकृतिसे कल्याण**—सत्यकी खोज।

१३. **साधकोंके प्रति—विकारोंसे छूटनेका उपाय**—नित्ययोगकी प्राप्ति।

===::0::===

॥ ॐ श्रीपरमात्मने नमः ॥

परमश्रद्धेय श्रीस्वामीजी महाराजके प्रवचनोंका सार-संग्रह

✳ 'गीताप्रेस' से प्रकाशित ✳

१. ज्ञानके दीप जले—

प्रवचन २४.३.१९९३ से १०.४.१९९४ तक

२. सत्संगके फूल—

प्रवचन ११.४.१९९४ से ३०.४.१९९५ तक

३. सागरके मोती—

प्रवचन १.५.१९९५ से १९.३.१९९६ तक

✳ 'गीता-प्रकाशन' से प्रकाशित ✳

४. स्वातिकी बूँदें—

प्रवचन २०.३.१९९६ से ७.७.१९९८ तक

५. सीमाके भीतर असीम प्रकाश—

प्रवचन ८.७.१९९८ से २३.१२.१९९९ तक

६. बिन्दुमें सिन्धु—

प्रवचन ५.१.२००० से २७.५.२००० तक

७. नये रास्ते, नयी दिशाएँ—

प्रवचन २८.५.२००० से १२.९.२००० तक

८. अनन्तकी ओर—

प्रवचन १३.९.२००० से २१.४.२००१ तक

९. मैं नहीं, मेरा नहीं—

प्रवचन २२.४.२००१ से ७.८.२००१ तक

१०. बन गये आप अकेले सब कुछ—

प्रवचन ८.८.२००१ से १६.११.२००१ तक

११. ईस्वर अंस जीव अबिनासी—

प्रवचन १९.११.२००१ से लेकर ३०.६.२००२

===::0::===

परिशिष्ट पुस्तकें—

१. नित्य-स्तुति एवं प्रवचन
२. नित्यस्तुति, मार्मिक प्रवचन एवं ग्रहण-त्यागके नियम—सं० २०४०
३. कल्याणका सुगम साधन
४. सुख-शान्तिकी प्राप्तिके अचूक उपाय
५. संसारमें रहनेकी विद्या
६. संसारमें रहनेकी विद्या—मुम्बई (गुटका)
७. सुगम साधन
८. कल्याणकारी सुगम मार्ग
९. कृपामयी श्रीमद्भगवद्गीता
१०. वास्तविक उद्देश्य
११. गीता और रामायणके क्रियात्मक प्रचारकी आवश्यकता
१२. सुखासक्तिका त्याग
१३. परमशान्तिप्रदायक चार सुगम साधन
१४. भगवान् आज ही मिल सकते हैं
१५. परिवर्तनशील संसार
१६. संसारमें रहनेकी विद्या
१७. मनकी हलचलके नाशके सरल उपाय
१८. रहस्यभरी साधना
१९. सच्ची विजयका मार्ग
२०. भगवद्भजनका स्वरूप
२१. सच्चा सुख कैसे मिले?
२२. तात्त्विक प्रवचन (पॉकेट साइज)
२३. चेतावनी
२४. भगवान् कैसे मिलें?
२५. मनकी हलचलके नाशके सरल उपाय
२६. हम यहाँके नहीं हैं
२७. हम यहाँके नहीं हैं—मद्रास (गुटका)
२८. अगर यह शरीर निष्प्राण हो जाय तो—(दैनिक विश्वमित्र, १४.१२.९८ से), सरदारशहरसे प्रकाशित
२९. अहमर्थ एवं पंचामृत—कलकत्ता
३०. उपासना [दुर्गतिसे बचो]
३१. कल्याणकारी प्रवचन (साइक्लोस्टाइलमें)
३२. कल्याणके पथपर (साइक्लोस्टाइलमें)
३३. जीवनकी जागृति (साइक्लोस्टाइलमें)
३४. प्रवचन-संग्रह (साइक्लोस्टाइलमें)
३५. साधकोंके प्रति, भाग-३ (साइक्लोस्टाइलमें)
३६. सन्तके सान्निध्यसे (साइक्लोस्टाइलमें)
३७. साधनाके बिखरे पुष्प (साइक्लोस्टाइलमें)
३८. जीवनमें उतारनेयोग्य अमूल्य बातें—मथानिया चातुर्मास, सं० २०३७
३९. परमात्मासे मिलन सहज है—श्रीकृष्णराधा-विवाहोत्सव, सं० २०४० (बम्बई)-के उपलक्ष्यमें
४०. प्रवचन—बीकानेर चातुर्मास्यके प्रवचन, समाचार-पत्रसे
४१. बार-बार नहिं पाइये मनुष जनमकी मौज—'जीवनका कर्तव्य' से
४२. भगवद्भक्तोंके लक्षण—'गीताका भक्तियोग' से
४३. सरल गीता-सार एवं मार्मिक प्रवचन—बम्बई, दि० २३.१०.८५
४४. सर्वव्यापी भगवान्—गीता १३। १३ की व्याख्या
४५. सन्त उवाच—समाचार-पत्र, कलकत्ता (गुटका)
४६. सन्त उवाच—समाचार-पत्र १९९१, शंकर शर्मा, कलकत्ता
४७. श्रीमद्भगवद्गीताको कण्ठस्थ करनेकी महिमा
४८. सत्संगका सार—पिलानी, दि० २५.१२.७९